***Date*:** 20-04-2021
***Publication*:** Sanmarg
***Edition*:** Asansol

सौर व नवीकरणीय ऊर्जा के लिए कोल इंडिया में दो कंपनी

सांकतोड़िया : कोल इंडिया ने कोयला के साथ-साथ सौर ऊर्जा एवं नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण पहल की है। बीएसई फाइलिंग (स्टॉक एक्सचेंज) में सौर ऊर्जा एवं नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में काम करने के लिए अनुषंगी कंपनी की तर्ज पर दो कंपनी बनाने की घोषणा की गई है। इन दो अनुषंगी कंपनियों का नाम कोल इंडिया सोलर प्राइवेट लिमिटेड तथा कोल इंडिया नवीकरणीय ऊर्जा लिमिटेड होगा। इसकी पुष्टि कोल इंडिया के वरिष्ठ अधिकारी ने की है। मालूम हो घरेलू कोयला उत्पादन में कोल इंडिया का 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान है। देशभर के पावर प्लांट कोल इंडिया एवं अनुषंगी कंपनियों के कोयले के भरोसे संचालित हैं। कोयला उत्पादन में कोल इंडिया की सात महत्वपूर्ण अनुषंगी कंपनियां मसलन ईसीएल, बी सी सी ए ल , सीसीएल, एनसीएल, ए म सी ए ल , डब्ल्यूसीएल एवं एसईसीएल सक्रिय हैं लेकिन बदली परिस्थिति और समय के साथ आनेवाले वर्षों में कोयले की उपयोगिता कम होने की संभावना के मद्देनजर कोल इंडिया ने सौर ऊर्जा एवं नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में कदम बढ़ा दिए हैं। सौर ऊर्जा से संबंधित कई प्रोजेक्ट चल रहे हैं, वैसे कंपनी बना इन क्षेत्रों में विस्तार से काम करने की घोषणा महत्वपूर्ण मानी जा रही है। मालूम हो कि झारखंड में भी सौर ऊर्जा से संबंधित बड़े प्रोजेक्ट पाइप लाइन में हैं। स्वयं कोल इंडिया चेयरमैन ने बीसीसीएल दौरे पर संकेत दिया था कि कोल इंडिया सौर ऊर्जा के क्षेत्र में काम करेगी। इसके लिए मुकम्मल योजना बनाई जा रही है।

***Date*:** 23-04-2021
***Publication*:** Dainik Jagran
***Edition*:** Dhanbad

कोल इंडिया खनन से दोगुनी जमीन पर करती है पौधारोपण

कोयला जगत

जागरण संवाददाता, धनबाद : कोल इंडिया प्रति हेक्टेयर खनन के एवज में 2.4 हेक्टेयर जमीन पर पौधरोपण करती है। यह जानकारी कोल इंडिया मुख्यालय की ओर से गुरुवार को पृथ्वी दिवस पर जारी की गई है। पृथ्वी दिवस पर कोल इंडिया मुख्यालय ने जारी ज्ञापन में कहा है कि राष्ट्रीय स्तर पर कार्बन सिंक बनाने में कंपनी ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कंपनी अब तक 32,380 हेक्टेयर जमीन पर खनन कर चुकी है। इसमें कोल इंडिया की सभी अनुषंगी कंपनियों की ओर से चल रहा खनन शामिल है। इसके एवज में कंपनी ने 39,000 हेक्टेयर जमीन पर पौधरोपण किया है। इतनी जमीन पर कंपनी ने 100 मिलियन पौधे लगाए हैं।

इस प्रकार प्रति हेक्टेयर खनन पर 2.4 हेक्टेयर जमीन पर कोल इंडिया व उसकी अनुषंगी कंपनियों की ओर से लगाए गए वन आच्छादित है। कंपनी ने अब तक 18,890 हेक्टेयर जमीन को पुनः जैविक रूप से प्राप्त कर लिया है। इस प्रकार

39 हजार हेक्टेयर जमीन पर सौ मिलियन पौधे अबतक लगा चुकी है कोल इंडिया कंपनी

पृथ्वी दिवस

- कोल इंडिया प्रबंधन ने आंकड़ा जारी किया, मंत्री ने की हौसलाफजाई
- कार्बन सिंक बनाने में कंपनी ने हासिल की महत्वपूर्ण उपलब्धि

वास्तव में यह उपलब्धि महत्वपूर्ण है। इसे बनाए रखें कोल इंडिया, हमें मां प्रकृति को वापस देने का संकल्प लेना चाहिए।

प्रह्लाद जोशी, कोयला मंत्री, भारत सरकार

***Date*:** 24-04-2021
***Publication*:** Rashtriya Sahara
***Edition*:** Patna

कोल इंडिया जीयूवीएनएल से बिजली खरीद करार

नई दिल्ली (भाषा)।

सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लि. (सीआईएल) ने शुक्रवार को कहा कि उसने गुजरात ऊर्जा विकास निगम लि. (जीयूवीएनएल) के साथ 100 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजना के लिए पहला बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया है। सीआईएल ने एक वयान में कहा कि यह समझौता 25 साल के लिए है।

कंपनी ने कहा, 'हम सौर परियोजनाओं की नीलामी में पहली प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया में परियोजना हासिल कर उत्साहित हैं। हम भविष्य में इस प्रकार की और नीलामी में आक्रमक रूप से भाग लेंगे।' सीआईएल मार्च में जीयूवीएनएल की सौर ऊर्जा क्षमताओं की नीलामी में 100 मेगावाट की परियोजना हासिल करने में सफल रही। इस परियोजना से उत्पादित बिजली के लिए उसने जीयूवीएनएल के साथ बिजली खरीद समझौता किया है। इसके तहत कंपनी को समझौते की तरीख से 18 महीने के भीतर परियोजना चालू करनी है और उत्पादित बिजली जीयूवीएनएल को उपलब्ध करानी है।

कोल इंडिया 100 मेगावाट की इस परियोजना को सौर इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) ठेकेदार के जरिये स्थापित करेगी। इसके लिये उसने निविदा जारी की है और चयन की प्रक्रिया आगे वढ़ चुकी है। परियोजना का क्रियान्वयन कार्य का आर्डर देने की तारीख से एक साल भीतर किया जाएगा।

***Date*:** 24-04-21
***Publication*:** The Financial Express
***Edition*:** Kochi

CIL floats two new subsidiaries to pursue green projects; signs PPA with GUVNL

FE BUREAU
Kolkata, April 23

PSU MINER COAL India (CIL) has added two more 100% subsidiary companies to its fold — CIL Navikarniya Urja and CIL Solar PV — to pursue its clean energy initiatives. It has also signed a power purchase agreement (PPA) with Gujarat Urja Vikas Nigam (GUVNL) for sale of solar power from its upcoming 100 MW solar power plant in Gujarat.

The new subsidiaries, both West Bengal-based, will function as special purpose vehicles to carry out the coal miner's green ventures, with the first project being the solar power plant won in the GUVNL-conducted reverse auction.

This takes CIL's total number of subsidiaries to 10, at a time when the government is reportedly planning to spin off CIL subsidiaries into independent coal producing companies. CIL CMD Pramod Agarwal told FE, however, that the company does not have any information about the government's plans.

A CIL executive said the PPA is for a tenure of 25 years with a stipulation that the power generated has to be supplied to GUVNL within 18 months from the date of signing the deal. The PPA was signed on Thursday.

The company will execute the ₹442-crore project through a solar EPC contractor, and a tender issued to finalise the contractor is at an advanced stage. The project will be executed within one year from the date of placement of the work order, the CIL executive said. "We feel upbeat that we could win in our first ever competitive bidding in a solar auction. We will aggressively participate in more such auctions," the executive said.

Solar power generation lists high on CIL's diversification portfolio as there are plans to roll out 3,000 MW of solar power generation by 2024 entailing investment of around ₹13,500 crore. The solar power projects will be funded through the company's internal resources, bank loans and SPVs. The company is developing necessary in-house expertise and has created a team of competent officers for its solar initiatives. "Solar will replace coal as a key energy provider in future and we are laying the groundwork to remain relevant in the country's energy sector. We plan to venture into solar power generation in a big way," the executive said.

***Date*:** 24-04-21
***Publication*:** The Statesman
***Edition*:** Kolkata

CIL pact for sale of 100 MW solar power

STATESMAN NEWS SERVICE
KOLKATA, 23 APRIL

State-run coal major Coal India Limited (CIL) today signed a first of its kind power purchase agreement with Gujarat Urja Vikas Nigam Limited (GUVNL) for sale of 100 MW solar power. The tenure of the agreement is 25 years, CIL said in a Press statement issued here.

In its maiden venture into solar power, the world's largest coal producing company in March 2021 had won a 100 MW solar power project in reverse auction conducted by GUVNL.

"We feel upbeat that we could win in our first-ever competitive bidding of solar auction. We will aggressively participate in more such auctions in future," said a senior executive of Coal India Limited.

For the 100 MW bid that it won, CIL was awarded the work with a stipulation that it enters a PPA for establishment of solar power project and supply the power generated to GUVNL within 18 months from the date of inking the PPA, the statement said.

To come up at a capital investment of Rs 442 crore, CIL will execute the 100 MW project through a solar EPC contractor (engineering, procurement and construction).

In a back-to-back arrangement, CIL has already issued a tender in advance for finalising a solar EPC contractor which is in advanced stage. The project will be executed within one year from the date of placement of the work order, CIL said.

Coal India is serious on its intent to pursue solar power generation as an alternative green energy source. This lists high on its diversification portfolio, the coal major said.

The company has rolled out a plan for 3,000 MW of solar power generation by 2024. Around Rs 13,500 crore is planned to be invested in solar power projects through company's internal resources, special purpose vehicles (SPV) and bank loans, it said.

CIL is developing necessary in-house expertise and has created a team of competent officers for its solar initiatives, it added.

"Solar will replace coal as a key energy provider in future and we are laying the groundwork to remain relevant in the country's energy sector. We plan to venture into solar power generation in a big way," said the executive.

To accelerate its entry into development of cleaner renewable energy sources, CIL on 16 April 2021 added two more fully-owned subsidiaries to its fold. These will function as SPVs to carry the company's stated objectives.

The two SPVs that were incorporated are "CIL Navikarniya Urja Limited" and "CIL Solar PV Limited". Both the registered entities will be situated in West Bengal, the company said.

MAIDEN VENTURE

- **In its maiden venture into solar power, Coal India in March 2021 had won a 100 MW solar power project in reverse auction conducted by Gujarat Urja Vikas Nigam Limited.**
- **To come up at a capital investment of Rs 442 crore, CIL will execute the 100 MW project through a solar EPC contractor (engineering, procurement and construction).**
- **In a back-to-back arrangement, CIL has already issued a tender in advance for finalising a solar EPC contractor which is in advanced stage.**

***Date*:** 26-04-21
***Publication*:** Hindustan Hindi
***Edition*:** Dhanbad

सराहना: विपदा की घड़ी में सेल और कोल इंडिया बचा रही जान

कोरोना से जंग

धनबाद | मुकेश सिंह

बेलगाम कोरोना वायरस के कारण हेल्थ इमरजेंसी जैसी स्थिति है। मरीजों को भर्ती करने के लिए अस्पतालों में बेड कम पड़ रहे हैं। ऑक्सीजन की कमी से सांसें उखड़ रही हैं। मरीजों की संख्या इस कदर बढ़ रही है कि स्वास्थ्य संबंधी संसाधन कम पड़ रहे हैं। ऐसी स्थिति में कोल इंडिया एवं सेल जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम महत्वपूर्ण रोल अदा कर रहे हैं। एक तरफ कोल इंडिया ने हालत से निपटने के लिए क्षमता से दोगुने कोविड बेड उपलब्ध कराए हैं तो दूसरी तरफ सेल की स्टील इकाइयों ने अप्रत्याशित रूप से ऑक्सीजन के उत्पादन में बढ़ोतरी की है। दोनों पीएयू की भूमिका की केंद्र सरकार ने सराहना की है। मंत्रियों ने ट्वीट कर हौसला अफजाई की है।

सप्ताह भर में सेल में ऑक्सीजन का उत्पादन दोगुना: सेल की स्टील यूनिटों में 500 टन के आसपास ऑक्सीजन का उत्पादन होता था। कोविड से उपजे हालात और मरीजों को ऑक्सीजन की जरूरतों को देख प्रतिदिन 300 टन से अधिक अतिरिक्त ऑक्सीजन का उत्पादन शुरू कर दिया है।

स्टील ऑथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी सेल की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़े के अनुसार पिछले सात दिन से लगातार ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ रही है। सेल की ओर से जारी बयान के अनुसार सेल हर रोज 800 मीट्रिक टन मेडिकल लिक्विड ऑक्सीजन की आपूर्ति की जा रही है। 23 अप्रैल को 1150 मीट्रिक टन मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति की गई। सेल देशभर के अस्पतालों में ऑक्सीजन की सप्लाई कर रही है।

कोयला कंपनियों ने 15 सौ कोविड बेड उपलब्ध कराए

कोल इंडिया की सहायक कंपनियां कोरोना से लड़ाई में अहम भूमिका अदा कर रही हैं। कोल इंडिया की ओर से दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार आठ राज्यों में 15 सौ कोविड बेड उपलब्ध कराया गया है। इनमें 98 वेंटिलेटर सपोर्ट वाले बेड हैं। ये बेड अनुषंगी कंपनियों के अस्पतालों में संचालित हैं। कुल 37 अस्पतालों में कोविड अस्पताल संचालित हैं। सबसे ज्यादा भुवनेश्वर (ओडिशा) में 500 बेड उपलब्ध कराया गया है। झारखंड में भी बीसीसीएल-सीसीएल की ओर से 168 बेड उपलब्ध कराया गया है। बेड के अलावा दवा एवं आर्थिक सहयोग भी कोयला कंपनियों की ओर से संबंधित राज्य सरकारों को दिया जा रहा है। डॉक्टरों की कमी के कारण कोल इंडिया चाह कर भी आईसीयू बेड बढ़ाने की स्थिति में नहीं है। कोल इंडिया के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि डॉक्टर की उपलब्धता हो तो इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी कंपनी में नहीं है। आईसीयू बेड बढ़ाने के लिए डॉक्टर उपलब्ध होने चाहिए। सिर्फ नर्सिंग स्टाफ और पैरामेडिकल स्टाफ के सहारे आईसीयू नहीं चलायी जा सकती है। इस संविदा को देखते हुए ही कोयलाकर्मियों एवं उनके परिजनों को किसी भी अस्पताल में कोविड के इलाज की स्वतंत्रता दी गई है। संविदा पर डॉक्टर की नियुक्ति की अनुमति भी अनुषंगी कंपनियों को दी गई है।

एक सप्ताह में ऑक्सीजन की आपूर्ति

16 अप्रैल	533 टन
17 अप्रैल	568 टन
18 अप्रैल	556 टन
19 अप्रैल	687 टन
20 अप्रैल	754 टन
22 अप्रैल	891 टन
23 अप्रैल	1150 टन